देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित

www.page3news.in

नगर संस्करण वर्ष 17 अंक: 6 पृष्ठ : 8 मूल्य: एक रूपए

विचार-प्रवाह...जॉब रिजर्वेशन इलाज नहीं

पेज थ्री

देहरादून, शनिवार, 2 अप्रैल 2022

मौसम अधिकतम 33.0° न्यूनतम 20.0°

40243.38

2 अफगानिस्तान को निगल नहीं सकते

7 अहम भूमिका निभा सकते हैं वीवीएस लक्ष्मण

देशहित में फैसला लेना भारत की खासियत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत की विदेश नीति किसी की मोहताज नहीं है और इसका स्वतंत्र मिजाज ही इसकी खासियत है। अमेरिका को यह भले ही अब तक समझ नहीं आई हो, लेकिन रूस यह अच्छे से जानता है और समझता भी है। यूक्रेन के साथ जारी युद्ध के बीच दिल्ली दौरे पर आए रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने आज भी इसकी तश्दीक की। उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से बातचीत के बाद हुई कॉन्फ्रेंस में कहा, मुझे लगता है कि भारतीय विदेश नीति के केंद्र में वास्तविक राष्ट्रीय हित हैं और वह किसी के दबाव में काम नहीं करता है।

भारत के साथ तेल निर्यात के समझौते को तैयारः रूसी विदेश मंत्री ने भारत की तटस्थता की नीति से लेकर तेल आयात जैसे मुद्दों पर पूछे गए सवालों के स्पष्ट जवाब दिए। उन्होंने कहा कि अगर भारत अगर रूस से तेल आयात करना चाहता है तो अमेरिकी प्रतिबंधों से लेकर पेमेंट सिस्टम तक, सबका रास्ता निकाला जाएगा। उन्होंने कहा, अगर भारत हमसे कुछ भी खरीदना चाहता है तो हम बातचीत को तैयार हैं और परस्परिक हित में समझौते को तैयार हैं।

विदेश नीति के मामले में भारत जैसा ही है रूसः भारत की विदेश नीति पर अपने विचार रखते हुए उन्होंने कहा कि रूस की विदेश नीति भी भारतीय विदेश नीति के सिद्धांतों पर आधारित है। यही वजह है कि हम दोनों बड़े देशों के बीच दोस्ताना संबंध है और हम एक-दूसरे के भरोसेमंद साझेदार हैं। उन्होंने भारत-रूस के परंपरागत संबंधों का जिक्र करते हुए कहा कि हमने भारत के साथ कई दशकों से मजबूत रिश्ते बनाए हैं और यही रिश्ते हमारी बातचीत की दिशा तय करते हैं। उन्होंने कहा, हमारे बीच सामरिक साझेदारी है... इसी आधार पर हम विभिन्न क्षेत्रों में एक-दूसरे की मदद कर रहे हैं।

बता दें कि इस जंग के छिड़ने के बाद से ही रूस पर कई तरह के प्रतिबंध लगाए जा चुके हैं। हालांकि इन प्रतिबंधों का असर कहीं न कहीं सभी देशों पर पड़ रहा है।

रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भारत की विदेश नीति की तारीफ की

भारत के रवैये की सराहना

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कहा कि हमारे पश्चिमी दोस्त मौजूदा समय में सभी अंतरराष्ट्रीय मुद्दों को यूक्रेन विवाद के साथ जोड़कर उसका महत्व कम करने में लगे हुए हैं। उन्होंने भारत के इस मुद्दे पर तटस्थ बने रहने पर भारत की जमकर सराहना की और कहा कि वो किसी से लड़ाई नहीं चाहते हं। सर्गेई ने कहा कि वो भारत के रवैये की सराहना करते हैं कि उसने पूरे विवाद को जाना और समझा और एकतरफा कोई फैसला नहीं लिया।

यूक्रेन विवाद का निकले बातचीत से समाधानः जयशंकर

रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर से मुलाकात की। इस बातचीत के दौरान भारत ने विश्व के सामने मौजूदा समय में उपजी चिंताओं के बीच संबंधों को मजबूत करने का संकल्प दोहराया है। वार्ता के दौरान जयशंकर ने कहा कि महामारी के अलावा भी वर्तमान समय में विश्ध्व का वातावरण काफी कुछ बदला हुआ है। भारत चाहता है कि यूक्रेन से समस्याओं का समाधान बातचीत के साथ निकाला जाए। उन्होंने कहा कि दोनों देशों के संबंध कई क्षेत्रों में बढ़े हैं।

युद्ध के बीच अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का केंद्र बना भारत

ध्यान रहे कि रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच भारत अंतरराष्ट्रीय कूटनीति का केंद्र बना हुआ है। वैश्विक कूटनीति में भारत के बढ़ते कद का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि एक तरफ अमेरिका के राष्ट्रीय सुरक्षा उप-सलाहकार दलीप सिंह तो दूसरी ओर रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव, दोनों अभी भारत दौरे पर हैं। उनसे पहले चीनी विदेश मंत्री वांग यी समेत कई देशों की प्रमुख हस्तियां भारत दौरे पर आ चुकी हैं जबकि ब्रिटिश विदेश मंत्री एलिजाबेथ ट्रस भी भारत पहुंचने वाली हैं। इजरायली प्रधानमंत्री नेफ्ताली बेनेट ने कोविड-19 से पीड़ित हो जाने के कारण भारत दौरा टाल दिया है। उनका स्वास्थ्य सुधरते ही नई दिल्ली दौरे की नई तारीख तय होगी।

संक्षिप्त समाचार

24 घंटे में 1335 नए केस, 52 लोगों की मौत

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। कोरोना के मामलों में पिछले दिनों से जारी गिरावट पर ब्रेक लग गया है। बीते 24 घंटे में कोरोना के मामलों में इजाफा देखा गया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि कोरोना के 1,335 नए मामले सामने आए हैं। कोरोना के नए मामलों में 110 मरीजों का इजाफा हुआ है। बतादें कि गुरुवार को कोरोना के 1225 मामले सामने आए थे।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि 24 घंटे में मृतकों की संख्या में भी इजाफा हुआ है।

जीएसटी संग्रह ने मार्च में छुआ अब तक का सर्वोच्च स्तर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। मार्च में जीएसटी संग्रह 1.42 लाख करोड़ रुपये के अब तक के उच्चतम स्तर को छू गया। मार्च 2022 में एकत्रित ग्रॉस जीएसटी राजस्व 1,42,095 करोड़ रुपये है। वित्त मंत्रालय ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी। मार्च 2022 में ग्रॉस जीएसटी संग्रह सर्वकालिक है।

अपील पर रूस-यूक्रेन युद्ध में कूदा ऑस्ट्रेलिया

ऑस्ट्रेलिया ने यूक्रेन को बुशमास्टर बख्तरबंद गाड़ी भेजने का किया ऐलान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया ने राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की की अपील पर यूक्रेन को बख्तरबंद गाड़ियां भेजने का ऐलान किया है। प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने कहा कि ऑस्ट्रेलिया युद्धग्रस्त यूक्रेन में बख्तरबंद बुशमास्टर वाहन भेजेगा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने रूस के खिलाफ युद्ध में और अधिक मदद करने के लिए ऑस्ट्रेलियाई सांसदों से खासतौर से इन वाहनों को भेजने की अपील की थी। जेलेंस्की ने गुरुवार को ऑस्ट्रेलियाई संसद को संबोधित किया और ऑस्ट्रेलिया निर्मित चार पहिया वाहनों को भेजने की अपील की।

अहस्ट्रेलियाई सांसदों ने खड़े होकर किया जेलेंस्की का सम्मान

ऑस्ट्रेलियाई सांसदों ने जेलेंस्की का 16 मिनट का भाषण शुरू होने और खत्म होने पर खड़े होकर उनके प्रति सम्मान व्यक्त किया। जेलेंस्की ने भी रूस पर और कड़े प्रतिबंध लगाने तथा अंतरराष्ट्रीय बंदरगाहों से रूसी पोतों को प्रतिबंधित करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि हमें रूस के खिलाफ और प्रतिबंधों की आवश्यकता है, शक्तिशाली प्रतिबंध लगाए जाने की आवश्यकता है जब तक कि वे अपनी परमाणु मिसाइलों से अन्य देशों को ब्लैकमेल करना बंद न कर दें।''

जेलेंस्की ने आर्मर्ड व्हीकल भेजने की मांग की थीः जेलेंस्की ने खासतौर से बुशमास्टर वाहन भेजने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि आपके पास बहुत अच्छे सशस्त्र वाहन, बुशमास्टर हैं जो यूक्रेन की मदद कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि संघर्ष से ऑस्ट्रेलिया सुरक्षित नहीं है और इस संघर्ष के परमाणु युद्ध में बदलने का खतरा है। उन्होंने कहा कि यूक्रेन पर रूस की जीत से चीन को ताइवान पर युद्ध घोषित करने का हौसला मिलेगा।

ग्लोबमास्टर विमानों से भेजी जाएंगी गाड़ियां

मॉरिसन ने बताया कि बोइंग सी-17 ग्लोबमास्टर विमानों से इन वाहनों को भेजा जाएगा। उन्होंने हालांकि यह नहीं बताया कि कितने वाहन भेजे जाएंगे और कब भेजे जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने कहा कि हम न केवल अपनी दुआएं भेज रहे हैं बल्कि हम अपनी बंदूकें, अपनी युद्ध सामग्री, मानवीय सहायता, ये सभी चीजें भेज रहे हैं और हम अपने बख्तरबंद वाहन, अपने बुशमास्टर भी भेज रहे हैं।

पीएम मोदी ने छात्रों के सवालों के दिए जवाब

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को परीक्षा पे चर्चा के तहत छात्रों, अभिभावकों व शिक्षकों से बात की। उन्होंने छात्रों द्वारा पूछे गए सवालों का बड़े ही सहज शब्दों में जवाब दिया। साथ ही पढ़ाई के अलावा खेल-कूद के लिए भी प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने नई शिक्षा नीति, पर्यावरण, ग्रामीण इलाकों में लड़कियों की शिक्षा पर भी चर्चा की। उन्होंने बच्चों के लिए चलाए गए कोरोना वैक्सीनेशन अभियान की भी बात कही। बता दें कि इस कार्यक्रम में लाखों की संख्या में छात्र, शिक्षक और अभिभावक आनलाइन माध्यम से भी शामिल हुए। परीक्षा पे चर्चा कार्यक्रम को लेकर प्रधानमंत्री ने कहा, श्यहां छात्रों के बीच आने से मैं 50 साल छोटा हो जाता हूं।

कार्यक्रम में शामिल बच्चों से प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी पूछा कि सभी ने कोरोना वैक्सीन की डोज ली है या नहीं। इसके जवाब में सभी बच्चों ने श्हांश में जवाब दिया।

चर्चा

■प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की परीक्षा पर चर्चा

कार्यक्रम के अंत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंच पर उन सभी पांच बच्चों को बुलाया जिन्होंने अनाउंसर के तौर पर कार्यक्रम का संचालन किया। प्रधानमंत्री ने इन सभी की तारीफ की।

प्रधानमंत्री ने ईर्ष्या और प्रतिशोध को खत्म करने की भी बात कही। पर्यावरण को स्वच्छ व बेहतर बनाने के सवाल के जवाब में कहा, स्वच्छता की दिशा में बेहतरीन काम के लिए देश के बालक- बालिकाओं को क्रेडिट देता हूं। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि परमात्मा ने जो संसाधन दिया उसे हमने बर्बाद कर दिया। यह ठीक नहीं है। उन्होंने कहा, ग्लोबल वार्मिंग से पूरी दुनिया परेशान है। अगली पीढ़ी के लिए दायित्व निभाना आवश्यक है। प्रधानमंत्री ने कहा, भारत की बेटियां हर जगह अपना नाम रोशन कर रहीं हैं।

ये कूटनीति की भाषा नहीं ये जबरदस्ती की भाषा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

सैयद अकबरूद्दीन ने सख्त नाराजी प्रकट की

नई दिल्ली। दो दिवसीय भारत दौरे पर रहे अमेरिका के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार दिलीप सिंह के एक बयान की जमकर आलोचना हो रही है। अमेरिका के डिप्टी एनएसए ने कहा था कि भारत को यह उम्मीद नहीं करनी चाहिए कि अगर चीन एलएसी का उल्लंघन करता है तो रूस उसे बचाने आएगा। दिलीप सिंह के इस बयान को लेकर संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि रहे सैयद अकबरूद्दीन ने दिलीप सिंह को आड़े हाथों लिया है।

अकबरूद्दीन ने एक ट्वीट कर दिलीप सिंह के बयान की आलोचना की है। अकबरूद्दीन ने ट्वीट कर कहा कि तो ये हमारा दोस्त है। ये कूटनीति की भाषा नहीं है, ये जबरदस्ती की भाषा है। कोई इन्हें बताए कि एकतरफा दंडात्मक प्रतिबंध अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन है।

गौरतलब है कि अमेरिका के डिप्टी एनएसए दिलीप सिंह बुधवार को दो दिवसीय दौरे पर भारत पहुंचे थे। उन्होंने कहा था, अगर चीन ने एलएसी का उल्लंघन किया तो रूस भी भारत को बचाने नहीं आएगा।